हूमड़ जैन
विवाह

हुमड़ जैन समाज के विवाह रीति रिवाज - हूमड़ समाज दूरदर्शी एवं मितव्ययी समाज है. उसके रिवाज भी सामाजिक समरसता के परिचायक है.

सगाई - लड़के वाले लड़की के घर जाते है. पाँच पंच मिलकर रुपया नारियल झेलाते हैं. समधी आपस में अपने बेटे-बेटी को देना स्वीकार करते है.

लगन जोवणा - शादी की तारीख या मिति, गोड़जी (पंडित) के माध्यम से *राजा* के नाम से निकालना.

मनुवार पत्र (चिट्ठी) भेजना - रिश्तेदारों को शादी के एक महिने पहिले शादी में आने का न्यौता मनुवार चिट्ठी लिखकर भेजना कि आप सपरिवार माँडा में जल्दी पधारजो.

कंकु पत्री छपवाना - शुभ मुहूर्त देखकर शादी की कंकु पत्री छपवाना, फिर सबसे पहले मन्दिरजी में रखना, उसके बाद सभी जगह वितरित करना.

बड़ी-पापड़ बनाना - शादी के पूर्व शुभ दिन देखकर घर की सभी महिलाएँ मिलकर शगुन के रुप में चँवले के आटे की बडी और पापड.चौबीसी गीत गाते हुए बनाती है. इसका अर्थ है, शादी का काम प्रारम्भ हो चुका है, गोंद का बारीक आटा पीसकर उसके भी पापड़ बनाये जाते है.

मन्दिरजी में पूजा करवाना - शादी के कुछ दिन पूर्व अपनी आमनाय के अनुसार पूजन, विधान कराकर शादी का प्रारम्भ करना.

माँ रो माटलो लाना - शादी की रस्म वणाक के पहले शुभ कार्य प्रारम्भ करने हेतु (कलश के रुप में) मिट्टी के डिजायन वाले मटके गीत गाते हुए कुम्हार के यहाँ से लाते हैं. घर के द्वार पर उसको बड़ी बुजुर्ग महिलाएँ बंधाती हैं. और गोत्राजी के पास स्थापित करती हैं.

गोत्राजी भरना - एक बाजोट पर चावल का सातिया बनाकर यंत्रजी की स्थापना करना, यानी कुलदेवी की स्थापना करना.

नूतरना - वणाक बिठाने के पूर्व लोगों को अपने यहाँ वणाक का निमन्त्रण देना नूतरना है. घर की महिलाएँ इकट्ठी होकर गीत गाती हुई बुलावा करने जाती है. नूतरने आने वाली महिलाओं को लाल या केसरिया कपड़ा एवं खोटी सुपारी दी जाती है.

वणाक बिठाना - दूल्हे या दुल्हन को पूर्व दिशा में मुँह रख बाजोट पर बिठाते है. पीठी (हल्दी) चढाई जाती है.

जुँवार उगाना- मिट्टी के चौड़े कुल्हड़ में मिट्टी भर कर जुँवार के दाने डाले जाते है. वह एक दो दिन में अंकुरित होते हैं. शादी के बाद इनको पानी में पधराया जाता है.

माँडपा उगाना - घर के द्वार के सामने चार गड्ढे खोदकर कच्ची लकड़ियाँ उसमें मंत्रोचार के साथ खड़ी की जाती हैं. इन लकड़ियों पर लाल कपडे में, श्रीफल, हल्दी की गाँठ सरसों के दाने, चारआने, पान बाँधकर लटकाया जाता है. चौरी के उपर चारों ओर आम के पत्ते की बन्दनवार बाँधी जाती है. इसी चौरी में वर-वधू शादी के लिये बैठते है.

मामेरा - मामा परिवार द्वारा पूरे कुटुम्ब को कपड़े भेंट किये जाते हैं उसे मामेरा कहते है.

मोटा कपड़ा पहनाना - वर-वधू को उनके ससुराल वाले बुलाते है. उनको रकम व कपड़े भेंट करते है.

खारा जीमण - वर-वधू को ससुराल वाले बुलाकर खोर भरते हैं. मिश्री, पान, कलदार रुपया, कच्चा सूत, गोला (नारियल) से सासू भरती है व साडी ओढाती है. जमाई को शर्ट पीस दिया जाता है.

आलवणा - वणाक बैठने के बाद दूल्हे दुल्हन का रात को बाजे के साथ वनोरा निकलता है. इसमें मामा वाले लड्डू की कुंडी लेकर चलते हैं और दूल्हे, दुल्हन को सभी सगे सम्बन्धी अपने द्वारा पर तिलक कर नेग (रु.) देते है. ससुराल वाले दुल्हन को साडी एवं दूल्हे को उसके ससुराल वाले मोरडा देते हैं.

वरोटी - वर पक्ष वाले वधू पक्ष को अपने यहाँ पामणा भई सुधा भोजन पर निमन्त्रण देते है. और वधू पक्ष वाले वर पक्ष को अपने यहाँ निमन्त्रण देते हैं इसे वरोटी की रस्म कहते हैं.

घोड़ी पर चढ़ना - दूल्हा शादी हेतु घोडी पर चढ़ता है, बहन तिलक कर घोड़ी की लगाम पकड़कर अपना नेग लेती है. फिर नृत्य कर खुशी प्रकट करती है.

तोरण मारना - दूल्हा ससुराल पहुँचकर द्वार पर आम की तोरण को तलवार से छूता है,उसे तोरण मारना कहते है. फिर सासूमाँ जमाई को तिलक कर श्रीफल भेंट करती है. दूल्हे की माँ दुल्हन के लिये साड़ी पायजेब लाती है, वहाँ भेंट करती हैं.

फूँकना- दोनों समधी आपस में हाथ मिलाते है, समधन कंकु से उनको वदाती है फिर समधनें मोड़, चुँदडी बाँधकर आपस में एक - दूसरे को कलम, चाँदी के टुकडे एवं लोहे के सुये से फूँकती है व दुल्हन की माँ समधन के पैर छूती है व साड़ी भेंट करती है.

शादी - दुल्हन की माँ दूल्हे के गले में रुमाल डालकर पकड़कर अन्दर ले जाती है. गोत्राजी के दर्शन कराती है. फिर जो माँडपा द्वार पर उगाया था उसमें शादी के लिये बिठाती है. पंडित जैन विधि से फेरे कराकर सात जन्म का साथ देने का वादा करवाते है.

पेरावनी - शादी के बाद वधू पक्ष वाले वर पक्ष को कुटुंब पेरावनी (कपड़े भेंट करते है.) पहनाते है.

विदाई - विदाई के समय बेटी को साड़ी ओढ़ाकर पालकी में बिठाकर विदा किया जाता है, वधू पक्ष की महिलाएँ बेटी को सपनों का संसार मिलने की कामना करती है.

नोट- (लड़के वाले बहू को सात जोड़ी कपड़े और क्षमतानुसार रकम चढाते है. लडकी वाले जमाई को सूट, बूट, घडी व चेन प्रदान करते है)